Today's Poem – 03.05-2014

बाबा कहते हैं याद में रहकर बनाओ भोजन

इससे होगा सबका शुद्ध मन

जो अभी जीते जी मरता है

उनको कभी काल नहीं खा सकता है

मास्टर ज्ञान सागर बन, स्वदर्शन चक्रधारी होकर याद में बैठना है |

नींद को जीतने वाला बन याद और सेवा का बल जमा करना है

बन्धनमुक्त बनने वा अपनी उन्नति करने के लिए बुद्धि ज्ञान से सदा भरपूर रखनी है |

कमाई में कभी सुस्ती नहीं करनी है |

मिले हमें २ सम्बन्ध

एक बाप द्वारा सर्व सम्बन्ध

दूसरा दैवी परिवार द्वारा सम्बन्ध

मेरा बाबा!!

ॐ शान्ति !!!